अहकाम जो इ
हुक्म की तामी
में जारी हुए

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

वकील उभयपक्ष हाजिर। एस. डी. ओ. साहब
द्वारा/डीएम. कार्य/अवकाश पर है। पत्रावली
आगे बहस हेतु पेश हो।
26/7/2017
SDO सा. की आज्ञा से

26/7/2017
वकील उभयपक्ष हाजिर। एस. डी. ओ. साहब
द्वारा/डीएम. कार्य/अवकाश पर है। पत्रावली
आगे बहस हेतु 8/11/2017 को पेश हो।
SDO सा. की आज्ञा से

8/11/17 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष हाजिर बहस हेतु अवसर चाहा अन्तिम दिया जाता है। बहस दिनांक 8.2.18 को पेश हो।

8.2.18 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष हाजिर। बहस हेतु पत्रावली दिनांक 22.5.2018 को पेश हो।

22.5.2018 पत्रावली रायपत्र लोक अदालत न्याय आपके द्वार 2018 केम्प आकोला मे पेश हुई। वकील उभयपक्ष हाजिर बहस सुनी गई। संक्षिप्त मे विवरण इस प्रकार है कि मौजा आकोला की आ०स० 6361, 6364, 6365 6366, 6370, 6371 कुल कित 6 कुल रकबा 1.32 हे. व आ०क० 6331 रकबा 0.24 हे० स्थित है उक्त मौरूसी होकर सर्वी के सामलाती खाते काश्त होकर असर्वी पेश्या। सर्वी के पिता के नाम दर्ज है

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

इसी प्रकार मौजा आगोला की आ०क्र० 6341, 6342 कुल किता 2 कुल रकबा 0.65 हे०, आ०क्र० 6345 रकबा 0.03 हे० पर अपीलार्थी संख्या 1 व कुल वाद के प्रतिवादी सं० 4 के नाम दर्ज रेवाड़ी है दोनों खातों में है। प्रा०प०मलिक 2 व 3 उल्लेखित आराजीयात अपीलार्थी के दादा शंकर की वसीयत की होकर मौरूसी है शंकर के पुत्र विश्वनाथ रामचन्द्र है, विश्वनाथ के पुत्र अपीलार्थी मोहन अपीलार्थी संख्या 2 बद्रीलाल अपीलार्थी 3 आपस है, शंकर मौत हो गये। अपीलार्थी संख्या 1, 2, 3 धरमीसिंघ पर अपीलार्थी का हक पाया करने की गरज से आराजीयात गैरवाजिब किस्से को मुन्तकील करना चाहे रहे है इस बाबत अपीलार्थी निवेदनों ने पालन किये जाने बाबत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। हमने दर्ज रजिस्टर किया प्रकार पक्षों सम्मत अपीलार्थीगण को तलब किया विवरण पत्रावली प्रस्तुत हुआ। पक्षों के तर्कों को अवलोकन किया। पत्रावली का अवलोकन, बदन पर मनन किया। प्रथम दृष्टया मामला अपीलार्थी के पक्ष में नहीं बनता है अतः प्रार्थना पत्र इसी स्तर पर खारीज किया जाता है। पत्रावली कैनल प्रकार होकर रवाना केस हो। आदेश सुनाया गया।

(अतिरिक्त सहायक कलेक्टर एवं सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी अधिकारी) पुनर्वास